

जिसे डिगाया न जा सके, स्थिर जैसे- दृढ़ आस्था 3. जिसमें शिथिलता न आए जैसे- दृढ़ निश्चय 4. पक्का, मजबूती से बँधने वाला जैसे- दृढ़ बंधन 5. कठोर, जिसे पिघलाया न जा सके जैसे- दृढ़ हृदय।

**दृढ़ ऊतक पुं. (तत्.)** ऊतकों के पाँच प्रकारों में से एक, मृदु ऊतकों को सुरक्षा प्रदान करने वाली कोशिकाओं का समूह जिसकी भित्तियाँ मोटी होती हैं तु. मृदूतक।

**दृढ़कारी वि. (तत्.)** 1. दृढ़ या मजबूत करने वाला, मजबूती देने वाला 2. दृढ़तापूर्वक कार्य करने वाला।

**दृढ़चेता वि. (तत्.)** 1. पक्के मन वाला, बाधाओं से न डिगने वाला 2. दृढ़निश्चयी, इरादे न बदलने वाला।

**दृढ़तः क्रि.वि. (तत्.)** दृढ़ता से; दृढ़तापूर्वक, दृढ़ रहते हुए।

**दृढ़तर वि. (तत्.)** तुलनात्मक दृष्टि से अधिक दृढ़।

**दृढ़ता स्त्री. (तत्.)** दृढ़ होने का भाव, कठोरता, स्थिरता, प्रतिबद्धता, मजबूती, कसाव।

**दृढ़निश्चय वि. (तत्.)** पक्के इरादे वाला, दृढ़ संकल्प करने वाला।

**दृढ़फल पुं. (तत्.)** कृषि. एककोशिकीय, कठोर, शुष्क तथा अस्फुटनशील (न फटने वाला) फल जैसे- सुपारी।

**दृढ़व्रत वि. (तत्.)** दे. दृढ़निश्चय।

**दृढ़ीकरण पुं. (तत्.)** दृढ़ या मजबूत करने/बनाने की क्रिया या भाव।

**दृढ़ वि. (तत्.)** 1. आदरप्राप्त, सम्मानित 2. फाड़ा हुआ, विदीर्ण।

**दृष्ट वि. (तत्.)** 1. चमकदार, तेजोमय, दीप्त 2. गर्वयुक्त, अहंकारग्रस्त 3. प्रसन्न, हर्षित।

**दृश्य पुं. (तत्.)** 1. जो दिखता है, देखने का विषय 2. झाँकी, देखने के लिए विशेष स्थान जैसे-

पर्वतों का दृश्य, झरने का दृश्य (मनोरम) दृश्यावली, नजारा 3. देखने योग्य स्थान या घटना इत्यादि 4. दर्शन. संसार जो दिखता है 5. नाटक इत्यादि का वह भाग जो एक अभिनय के चरण-विशेष या मंच पर प्रदर्शित स्थिति-विशेष का सूचक होता है वि. 1. देखने योग्य, दर्शनीय 2. जिसे मानव-आँखों से देखा जा सके जैसे- दृश्य, स्पेक्ट्रम 3. काव्य. काव्य-रचना का वह प्रकार जो देखा जा सके दृश्य काव्य जैसे- नाटक आदि।

**दृश्यता स्त्री. (तत्.)** 1. दिखलाई पड़ने का भाव या स्थिति 2. जहाँ तक मानव-आँखों से बिना किसी अन्य साधन की सहायता से देखा जा सके जैसे- कुहरे में दृश्यता कम हो जाती है।

**दृश्यदर्शी वि. (तत्.)** 1. कैमरे या मोबाइल इत्यादि में चित्र खींचने के लिए इच्छित दृश्य दिखलाने वाला चौखटा या छिद्र 2. किसी दूर के दृश्य या अत्यंत सूक्ष्म दृश्यों को देखने के प्रयुक्त किया जाने वाला उपकरण जैसे- दूरदर्शक या सूक्ष्मदर्शक यंत्र।

**दृश्यमान वि. (तत्.)** दिखलाई पड़ता हुआ, देखा जाता हुआ।

**दृश्य-श्रव्य वि. (तत्.)** प्रशा. जो एक साथ देखा व सुना जा सके जैसे- चलचित्र, दूरदर्शन आदि।

**दृश्यमान कारण पुं. (तत्.)** विधि. जो वास्तव में कारण न होते हुए भी कारण जैसा प्रतीत होता है।

**दृश्य-श्रव्य विधि स्त्री. (तत्.)** वह पद्धति जिसमें ध्वनि और चित्रों के माध्यम से कोई बात सिखलाई जाती है।

**दृश्य-श्रव्य साधन पुं. (तत्.)** शिक्षा, विज्ञापन या मनोरंजन आदि के लिए प्रयुक्त वह साधन जिसमें दृश्य और श्रव्य दोनों प्रकार की सामग्री हो।

**दृषद् पुं. (तत्.)** पत्थर का टुकड़ा, शिलाखंड, शिला, शिला से बनी चक्की, सिल-बट्टा, लोढ़ा आदि।

**दृष्ट वि. (तत्.)** देखा हुआ, जात, अनुभूत, भोगा हुआ पुं. दर्शन, ज्ञान, अनुभूति, भय।